ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५२
दिनांक-शुक्रवार, २० जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३६.३ एवं २८.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८१ सुबह में एवं दोपहर में ६७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.७ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.८ एवं दोपहर में ३३.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२१ से २५ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २१ से २५ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मानसून के कमजोर बने रहने का अनुमान है। हालाकि, कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। जुलाई के अन्तिम सप्ताह में वर्षा की संभावना में मामूली वृद्धि हो सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। यह ३७ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २७ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से २३ जुलाई तक पूरवा हवा चलने का अनुमान है, उसके बाद पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले कई दिनों से उच्च तापमान तथा अनावृष्ट्रि के कारण वाष्पण की प्रक्रिया में तेजी आई है। ऐसी स्थिति में खड़ी फसलों जैसे रोपी गयी धान में जीवनरक्षक सिंचाई करें। हल्दी, ओल एवं गन्ना की फसल में भूमि में नमी की कमी को देखते हुए अविलम्ब सिंचाई करें।
- मानसून के कमजोर रहने की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है एवं विचड़ा तैयार हो,वें नीची जमीन में धान की रोपनी करें। अभी ऊचांस जमीन में धान की रोपनी नहीं करें।
- सुर्यमुखी की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। मोरडेन, सुर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बी०एस०एच०-१, के० बी०एस०एच०-१, के० बी०एस०एच०-४४ सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम तथा संकुल के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- तिल की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० x १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- ऊचास जमीन में खरीफ मूंग एवं उरद की बुआई करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए एच०यू०एम०-१६ तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३०x१० से०मी० रखें।
- मिश्रीकन्द की बुआई करें। बुआई के लिए राजेन्द्र मिश्रीकन्द १ एवं राजेन्द्र मिश्रीकन्द २ किस्मे अनुशसित है। बीजदर १५ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २०० क्विंटल कम्पोस्ट, ४० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें।
- अरहर की बुआई करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है।
- प्याज की नर्सरी से खर-पतवार निकालें। खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः **३६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.२ अधिक**	आज का न्यूनतम तापमानः २६.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.३ अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी